मै पूनम चंद जैन मु.पो. राजनांदगांव जिला राजनांदगांव (छ.ग.) का रहने वाला हूँ। मेरी ~~बे~~ बेटी प्रिया जैन जिसका जन्म 5/11/1998 को राजनांदगांव शहर मे हुआ। जन्म से ही माँ का दूध पिलाया गया। किन्तु जैसे ही माँ का दूध पिती प्रिया को Toilet हो जाती हमने शहर के Doctor को दिखाया परन्तु उन्हे समझ नही आ रहा था कि बिमारी क्या है। प्रिया को 2.5 माह बाद हमने भिलाई सेक्टर 9 के ~~के~~ शिशुरोग Doctor एम.एल. महान को दिखाया। फिर उन्होने बच्ची को चैक ~~क~~ करके बताया कि इसके पेट मे छाले है और बच्चो को तुरंत माँ का दूध बंद करा दिया जाय व सोयामिल्क का दूध व जेल पिलाने के लिए कहा गया। जिससे बच्ची के पेट के छाले ठीक हो गए। कुछ माह बाद बच्ची के शरीर मे अकड़न आने लगी तब हमने शहर के Doctor को दिखाया तब डाक्टर ने बताया की बच्ची C.P. (सेरेब्रल ~~पाल~~ पाल्सी) की मरीज है और इसे फिजियो थेरेपी कराई जाये। हमने तुरन्त 18 माह तक रायपुर (छ.ग.) फिजियो थेरेपी कराया परन्तु कुछ भी फर्क नही पडा फिर हमने रायपुर मे दूसरे Doctor को दिखाया। फिर उन्होने सलाह दी कि इसके 6 आपरेशन (दोनो जाँघ + दोनो घुटनो व दोनो एडी) करना होगा। जिससे बच्ची ठीक हो जायेगी। हमने तुरन्त आपरेशन कराया। जिससे कुछ माह मे बच्ची का पैर काम कर रहा था व ठीक हो गई। किन्तु फिजियो थेरेपी ठीक से नही होने के कारण तकलीफ बढती गई। आज बच्ची को लेकर किसी कार्यक्रम या विवाह मे जाने से लोग हीन भावना से देखते है। हमने प्रिया को नर्सरी से कक्षा 4th तक पढाया पर बच्ची को सही फिजियो थेरेपी नही होने के कारण तकलीफ बढती गई। जिसे मैडम ने पढाने से मना कर दिया। जैसे जैसे उम्र बढती गई शारीरिक तकलीफ बढती गई। हमने ~~विजय~~ विजय नगरम, विशाखापटनम, उदयपुर (नारायण सेवा संस्थान) इंदौर मन्दिर मस्जिद गुरुद्वारा जिसने जो कहा वहाँ गए पर कोई फर्क नही पडा। बच्ची की उम्र 16 साल की हो गई तब हमे हमारे शहर के श्री नरेन्द्र सिंग ठाकुर ने इलाहाबाद निशुल्क फाउंडेशन का पता बताया। जिनके बच्चे का भी इलाज वहा चल रहा है और उसे काफी फर्क हो रहा है। हम तुरंत इलाहाबाद आए और डॉ. जैन से मुलाकात किया व वहा इलाज करा रहे पालको से बात किया जो कि आसपास शहर, नेपाल व कई प्रदेश लोगो से पता चला कि इलाज सही है। तब हमे विश्वास हुआ कि हमारी बच्ची भी आत्म निर्भर हो सकती है। हमने डॉ. जैन से इलाज के बारे मे बात कि तब उन्होने कमर का X Ray कराया। जिससे कमर की दो हड्डियो मे काफी गेप था। डॉ. जैन ने 30-40 दिन दवा खिलाने को कहा और 1½ माह बाद हमे बुलाया। दो माह बाद हम इलाहाबाद आए और हमारी बच्ची का इलाज शुरू हो गया। पहले हमारी बच्ची के दोनो पैर ऊपर रहते थे। ~~किन्~~ किन्तु 20-25 दिन मे ही फिजियो थेरेपी का कारण पैर सीधे हो गए। 4-5 माह इलाज होने के बाद डॉ. जैन ने बताया कि इसका आपरेशन करना पडेगा। तब अक्टूबर मे इसका आपरेशन किया गया। कुछ माह तक फिजियो थेरेपी हुआ। आज हमारी बच्ची सीढी चढना, सामान उठाना, बाजार जाना, सीधा व एकदम ठीक से चल रही है। हम बहुत आभारी है डॉ. जैन व उनकी पूरी फिजियो थेरेपी टीम जिनके मार्गदर्शन मे आज हमारी बेटी इस लायक हुई। हम भगवान से प्रार्थना करते है कि डॉ. जैन व उनकी पूरी फिजियो थेरेपी टीम इस काम को निरंतर आगे बढाते रहे ताकि किसी भी C.P. बच्चे को किसी पर आश्रित ना होना पडे।

हम सभी पालको से निवेदन करते है कि आप फिजियो थेरेपिस्ट के कहे अनुसार फिजियो थेरेपी पर ~~[illegible]~~ अधिक से अधिक मेहनत करे।

धन्यवाद प्रिया जैन